विषय–हिन्दी विशिष्ट Set-C

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कुल 25 प्रश्न हैं।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। खण्ड–(अ) में 5 अंक बहुविकल्पीय एवं खण्ड–(ब) में 5 अंक रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए निर्धारित हैं। कुल 10 अंक हैं।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 7 में 2 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 30 शब्द है।

(iv) प्रश्न क्रमांक 8 से 13 में 3 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 50 शब्द है।

(v) प्रश्न क्रमांक 14 से 19 में 4 अंक निर्धारित हैं। शब्द–सीमा 75 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

(vi) प्रश्न क्रमांक 20 से 23 में 5 अंक निर्धारित हैं। शब्द–सीमा 100 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

(vii) प्रश्न क्रमांक 24 एवं 25 में 8-8 अंक निर्धारित हैं। निबंध लेखन में शब्द–सीमा 250 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

1. **खण्ड (अ)** सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) प्रसादजी ने किस महाकाव्य को लिखा है ?

(अ) आँसू (ब) कामायनी

(स) झरना (द) प्रेमपथिक

(ii) "यह मेरी भिक्षा है, मैं तुम्हारे आगे आँचल पसारती हूँ।" यह कथन है :

(अ) सूबेदार का (ब) लहनासिंह का

(स) सूबेदारनी का (द) फिरंगी मेम का

(iii) 'सहयोग, श्रम और शांति' दिनकर के किस महाकाव्य में है ?

(अ) उर्वशी (ब) रश्मिरथी

(स) कुरुक्षेत्र (द) इतिहास के आँसू

(iv) जिस रचना में शब्द और अर्थ दोनों से चमत्कार उत्पन्न होता है, वहाँ कौन–सा अलंकार होता है ?

(अ) अर्थालंकार (ब) शब्दालंकार

(स) उभयालंकार (द) लाटानुप्रास

(v) 'बीजक' ग्रंथ किसके द्वारा रचित है ?

(अ) जायसी (ब) कबीर

(स) सूर (द) तुलसी

1. **खण्ड (ब)** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) परिवार एक ..... वृक्ष के समान है।

(ii) मुकदमे का फैसला ..... के पक्ष में हुआ।

(iii) दिनकर जी ..... वाद के कवि हैं।

(iv) विश्वास करो, प्रतिमा बन मैं तुम्हारी ..... हो जाती हूँ।

(v) संध्या मीठे सपने ..... को दिखाती है।

2. 'सुनहले तीर' शब्द का क्या अभिप्राय है ?
3. आदिवासी दीवान से क्यों नाराज थे ?
4. 'नौका विहार' कविता का मूल रस क्या है ?
5. "मानव जीवन नाशवान है।" कबीर ने इसे किस प्रकार स्पष्ट किया है ?
6. 'कुंडलिया' छंद की परिभाषा लिखिए।
7. पद्मावती की सखियों को फूलवारी क्यों कहा गया है ?
8. भक्तिकाल की कोई **तीन** विशेषताएँ लिखिए।
9. "क्रोध से विवेक नष्ट हो जाता है। इसके परिणाम कष्टप्रद होते हैं।" समझाइए।
10. ज्वर में बरति हुए बोधासिंह की लहना ने कैसे मदद की ?
11. मिट्टी और मनुष्य में आप किसकी भूमिका को अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं और क्यों ?
12. नई कविता की कोई **तीन** विशेषताएँ लिखिए।
13. मनुष्य अपनी किन योग्यताओं के कारण प्रगति के सोपान पर चढ़ता चलता है ?
14. 'फ्री स्टाइल गवाही' शीर्षक के नामकरण के औचित्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

"वे गीता की भावना में मग्न रहते थे।" गीता की भावना क्या है ?

15. शब्दालंकार एवं अर्थालंकार में अंतर लिखिए।

अथवा

संदेहवाचक वाक्य एवं संकेतवाचक वाक्य में अंतर लिखिए।

16. "कवि के भाग्यवाद की अपेक्षा कर्मवाद की प्रतिष्ठा की है।" उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा

'कामायनी' के आशा सर्ग का केन्द्रीय भाव लिखिए।

17. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी **अथवा** उपेन्द्रनाथ 'अश्क' का परिचय निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दीजिए :

(i) रचनाएँ : कोई दो (ii) भाषा–शैली की **तीन** विशेषताएँ

(iii) साहित्य में स्थान

18. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(i) हथेली पर सरसों उगाना (ii) मुँह की खाना

(iii) मिट्टी में मिलना (iv) सीने में दम होना

अथवा

निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए :

(i) निरपराधी को दंड देना अनुचित है।

(ii) राम और सीता वन जा रही है।

(iii) शायद वे जरूर आयेंगे।

(iv) वहाँ अकाल सम्बन्धी खतरे का डर है।

19. मलिक मुहम्मद 'जायसी' **अथवा** गजानन माधव 'मुक्तिबोध' का परिचय निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दीजिए :

(i) रचनाएँ : कोई **दो**

(ii) भावपक्ष एवं कलापक्ष : **तीन** विशेषताएँ

20. लहनासिंह का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

प्रलय के बाद प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन हुए ? इसे सोदाहरण समझाइए।

21. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की संदर्भ-प्रसंग-विशेष सहित व्याख्या कीजिए :

श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है। जब पूज्य भाव की वृद्धि के साथ श्रद्धाभाजन के सामीप्य लाभ की प्रवृत्ति हो, उसकी सत्ता के कई रूपों के साक्षात्कार की वासना हो, तब हृदय में भक्ति-भाव का प्रादुर्भाव समझना चाहिए। जब श्रद्धेय के दर्शन, श्रवण, कीर्तन, ध्यान आदि में आनन्द का अनुभव होने लगे, जब उससे संबंध रखने वाले श्रद्धा के विषय की अतिरिक्त बातों की ओर भी मन आकर्षित होने लगे, तब भक्ति रस का संचार समझना चाहिए।

अथवा

अनेक छोटी-छोटी बातों का, जो किसी बंदी के जीवन में सुइयों की चुभन बन जाती है और जीवन को दूभर बना देती हैं, उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता था। वे गीता की भावना में मग्न रहते थे। और शायद इसीलिए वे दुःख और यन्त्रणाओं के ऊपर रहते थे। यही कारण है कि उन्होंने उन यंत्रणाओं के बारे में किसी से कभी एक शब्द भी नहीं कहा।

22. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** पद्यांश की संदर्भ-प्रसंग-विशेष सहित व्याख्या कीजिए :

मैं तुम लोगों से इतना दूर हूँ
तुम्हारी प्रेरणाओं से मेरी प्रेरणा इतनी भिन्न है
कि जो तुम्हारे लिए विष है,
मेरे लिए अन्न है।
मेरी असंग स्थिति में चलता-फिरता साथ है,
अकेले में साहचर्य का हाथ है,
उनका जो तुम्हारे द्वारा गर्हित हैं,
किंतु वे मेरी व्याकुल आत्मा में बिम्बित हैं, पुरस्कृत हैं
इसीलिए तुम्हारा मुझ पर सतत आघात है।

ects.com

अथवा

कबीरा यह तन जात है, सकै तो राख बहोर।
खाली हाथों वे गये, जिनके लाख-करोर।।
हंसा पय को काढ़ि लै, क्षीर नीर निरवार।
ऐसे गहे जो सार को, सो जनु उतरे पार।।

23. अपने मित्र को एक पत्र लिखिए और उसमें ऐतिहासिक दृष्टि से किसी महत्वपूर्ण स्थान के भ्रमण का वर्णन कीजिए। उस स्थान का क्या महत्व है तथा वहाँ आपको सबसे अधिक क्या पसंद आया ?

अथवा

डाक-वितरण की अनियमितता के कारण आपको जो हानि हुई हो, उसके संबंध में एक शिकायती पत्र अधीक्षक, डाक-तार विभाग को लिखिए।

24. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज से अलग उसके अस्तित्व की कल्पना भी नहीं की जा सकती। परिचित तो बहुत होते हैं पर मित्र बहुत कम हो पाते हैं क्योंकि मैत्री एक ऐसा भाव है , जिसमें प्रेम के साथ समर्पण और त्याग की भावना मुख्य होती है। मैत्री में सबसे आवश्यक है परस्पर विश्वास। मित्र एक ऐसा सखा, गुरु तथा माता होता है, जो सबके स्थानों को पूर्ण करता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(ii) मैत्री में कौन-कौन से भाव सम्मिलित हैं?

(iii) मैत्री में सबसे आवश्यक क्या है ?

(iv) सबके स्थानों को पूर्ण कौन करता है ?

(v) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

25. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए :

(i) मोबाइल क्रांति

(ii) यातायात के नियमों के पालन की आवश्यकता

(iii) जीवन में खेलों का महत्व

(iv) वर्तमान शिक्षा प्रणाली : गुण एवं दोष